RAJHIN/2014/55262

sancharjagat.com

खबरों व विज्ञापन
के लिए संपर्क करें।
संचार जगत
मो.न.: + 917357161599

संचार जगत

दैनिक समाचार पत्र

'समय जब विपरीत होता है, तब प्रभाव और पैसा नहीं, बल्कि स्वभाव और संबंध काम आते हैं। '

वर्ष: 13 | अंक: 260 जयपुर, सोमवार, 19 अक्टूबर , 2026 मूल्य: 2.00 रूपए पृष्ठ : 4

मुख्यमंत्री की नवरात्र पर महिला सुरक्षा को समर्पित बड़ी सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति हो रही मजबूत- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा



नवीन 100 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स का शुभारंभ



संचार जगत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति में शक्ति की आराधना का पावन पर्व नवरात्र मातृ शक्ति के सम्मान और सुरक्षा सर्वोपरि की सीख देता है। इसी भावना के साथ राज्य सरकार महिला एवं बालिका सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, ताकि वे बिना किसी भय के शिक्षा, रोजगार तथा सामाजिक गतिविधियों में और आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री ने कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स का मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें प्रतिमाह थाने एवं पुलिस चैकी में पदस्थापित कॉन्स्टेबल, हेड कॉन्स्टेबल और एएसआई की तरह निश्चित यात्रा भत्ता देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स का उद्देश्य केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि अपराधों की रोकथाम, असामाजिक तत्वों में कानून का भय और महिलाओं में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना पैदा करना भी है। मुख्यमंत्री रविवार को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में नवीन कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स एवं महिला यूथ सीएलजी सदस्यों के साथ संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि उनके सम्मान, स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और समान अवसरों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। मुख्यमंत्री ने कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स की महिला पुलिसकर्मियों से संवेदनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और साहस के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण को नई दिशा मिली है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से लेकर उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुद्रा योजना और लखपति दीदी जैसी पहलों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। वहीं, राज्य सरकार द्वारा भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आधी आबादी को उनका पूरा हक देना सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार के अन्य प्रयासों के तहत सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड संचालित किए जा रहे हैं। वहीं, महिला हेल्पलाइन 1090 पर पिछले पौने तीन वर्षों में 28 हजार से अधिक शिकायतों का निस्तारण किया गया है। महिलाओं को उनके अधिकारों और कानून के प्रति जागरुक करने के लिए करीब 22 हजार सुरक्षा सखियों का चयन किया गया है। वहीं, अभय कमांड एवं नियंत्रण केंद्र के माध्यम से प्रदेशभर में 12 हजार 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं।

अब तक 55 हजार से अधिक असामाजिक तत्वों पर हुई कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स और महिला यूथ सीएलजी सदस्यों का फील्ड में प्रभावी असर नजर आ रहा है। यही कारण है कि वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2026 में महिला अत्याचार के प्रकरणों में लगभग 48 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है तथा महिला अत्याचार संबंधी प्रकरणों में अनुसंधान का औसत समय घटकर 48 दिन रह गया है। उन्होंने कहा कि कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स द्वारा 55 हजार से अधिक असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इसके अलावा 50 लाख महिलाओं एवं बालिकाओं को कानून और 18 लाख से अधिक को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरुक किया गया है। इसी प्रकार लगभग 16 लाख 70 हजार से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी दिया गया है।

हादसों की काली रात में पांच शहरों में 42 मौतों से मचा



संचार जगत

नई दिल्ली। देशभर में नवरात्रि धूमधाम से मनाई जा रही है, लेकिन शनिवार की रात काली रात बन गई। देश के 5 शहरों में 5 दर्दनाक हादसे हुए। इन हादसों में कुल 42 लोगों की मौत हो गई। अलग-अलग राज्यों और शहरों से आई इन खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। कोलकाता में पंडाल में भीड़, आसनसोल में प्लांट की चिमनी की गुणवत्ता, ग्वालियर में पहाड़ी रास्ते पर ट्रक की रफ्तार,हैदराबाद में अस्थायी लाइटिंग स्ट्रक्चर और बलरामपुर में सड़क किनारे भीड़, सभी जगह अलग-अलग कारणों से हुए हादसों में भगदड़, ट्रक हादसा, चिमनी गिरना, लाइटिंग स्टैंड गिरना और तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से लोगों की जानें चली गई। नवरात्रि और दुर्गा पूजा के दौरान भीड़ प्रबंधन, निर्माण स्थलों पर सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण को लेकर लापरवाही सामने आई है। कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ की वजह से 19 लोगों की जान चली गई। इस हादसे में 25 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने शनिवार रात आयोजकों समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस घटना की जांच के लिए एसआईटी के गठन किया गया है। हादसा गिरिश पार्क थाना क्षेत्र में बारिश के दौरान अचानक भगदड़ मच गई। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर पर एक ट्रक घाटी से उतरते वक्त बेकाबू होने से इसकी चपेट में करीब 50 लोग आ गए। इस हादसे में करीब 15 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 50 लोग घायल हो गए। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में एक पावर प्लांट में निर्माणाधीन चिमनी का एक हिस्सा ढहने से चार लोगों की मौत हो गई। जब यह हादसा हुआ, तब वहां कई लोग काम कर रहे थे। हादसे में चार लोग मलबे में फंस गए थे, जिन्हें बाहर निकाला गया। इनमें से तीन की तो मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि एक शख्स को अस्पताल ले जाकर वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। हादसे के बाद प्लांट में काम रोक दिया गया है। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में डांडिया कार्यक्रम के दौरान रोशनी के लिए लगाए गए एक लाइटिंग स्टैंड के गिरने से इंजीनियरिंग की एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य लोग घायल हो गए। यूपी के बलरामपुर में भी दुर्गा पंडाल के पास दर्दनाक हादसा हुआ। बलरामपुर देहात थाना क्षेत्र के चरनगहिया बेलहा गांव में सड़क किनारे पर्दा लगाकर वीडियो देख रहे लोगों को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में 7 लोग घायल हुए। इलाज के दौरान इनमें से 3 लोगों की मौत हो गई।

हादसे पर राज्यपाल ने जताया शोक

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में हुए हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। राज्यपाल ने ईश्वर से दिवंगतों की पुण्यात्मा को शांति प्रदान करने और उनके परिजनों को इस दुखद घड़ी में धैर्य एवं संबल देने की प्रार्थना की। साथ ही उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

सीएम शुभेंदु अधिकारी संग अस्पताल पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह

कोलकाता के चोरबागान में दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ मचने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। इसके अलावा आयोजक समेत 7 लोगों को गिरफ्तारर किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार सुबह उस अस्पताल पहुंचे, जहां घायल हुए 14 लोगों का इलाज किया जा रहा है।पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी शाह के साथ थे। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने 'बताया कि शाह चिकित्सकों से संभवत: बात करेंगे और घायलों के इलाज की समीक्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री घायलों से भी बातचीत की है। इससे पहले शाह ने रविवार सुबह कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना की और फिर अस्पताल पहुंचे। उत्तरी कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम बारिश के बीच अचानक भीड़ बढ़ने से भगदड़ मच गई थी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए।

वाशिंगटन ने फिर भारत को बताया अहम साझेदार

रूसी तेल पर निर्भरता तुरंत खत्म करना आसान नहीं

संचार जगत

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले का बचाव किया है, जिसमें रूस से जुड़े प्रतिबंधों के मामले में 60 दिन की छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और वह अब भी अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी हद तक रूसी तेल पर निर्भर है। ऐसे में एक साथ टैरिफ और प्रतिबंध लागू करने से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। रुबियो ने कहा कि अमेरिका को इन कदमों के व्यापक आर्थिक प्रभाव का आकलन करने के लिए समय चाहिए। खासकर तब, जब मध्य पूर्व और यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पहले से ही वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर रहे हैं। रुबियो की यह टिप्पणी रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज की आलोचना के जवाब में आई। क्रूज ने 60 दिन की इस छूट को गलती बताते हुए कहा था कि इससे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देशों ने स्वेच्छा से अपने ऊर्जा स्रोतों में बदलाव किया है, लेकिन फिर भी वे रूस से काफी मात्रा में ऊर्जा खरीद रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि एक दिन में पूरी व्यवस्था बदलना संभव नहीं होता। साथ ही, भारत अमेरिका का एक अहम मित्र और साझेदार भी है। भारत लगातार यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद से जुड़े फैसले देश की जरूरतों, सस्ती कीमतों और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिए जाते हैं। फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजार में आई उथल-पुथल के बीच रूसी कच्चा तेल भारत के आयात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया।

अमित शाह 20 अक्टूबर को करेंगे पंजाब का दौरा



संचार जगत

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अक्टूबर को पंजाब का दौरा करेंगे। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने बताया कि 20 अक्टूबर को पंजाब के दौरे पर आ रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पंजाब स्वागत करता है। बिट्टू ने कहा कि ऐसे समय में जब पंजाब नशीले पदार्थों की गंभीर समस्या से जूझ रहा है, हमें अपने युवाओं और अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए निर्णायक कदम, मजबूत नेतृत्व और दृढ़ संकल्प की जरूरत है। उन्होंने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए बिट्टू ने कहा कि पंजाब में आप सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा होने से बहुत पहले ही अपना जनादेश खो दिया है। साथ ही, उन्होंने पंजाब के लोगों से भी अमित शाह का समर्थन करने की अपील की। अमित शाह ऐसे समय में पंजाब जा रहे हैं, जब भारतीय निर्वाचन आयोग की टीम जल्द आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर राज्य का दौरा कर सकती है। संभावनाएं हैं कि अपने पंजाब दौरे पर अमित शाह भाजपा को मजबूत करने और विधानसभा चुनावों के मद्देनजर तैयारियों पर चर्चा कर सकते हैं।

महाराष्ट्र में यूसीसी लागू करने तैयारी तेज

हलाला और लिव-इन पर जनता से मांगे सुझाव

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा या एनडीए शासित सभी 21 राज्यों में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के लिए 2029 की समय-सीमा तय की है। महाराष्ट्र में यूसीसी को लागू करने की तैयारी तेज हो चुकी है। यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए बनाई गई समिति ने गुरुवार को अपनी वेबसाइट लॉन्च की और आम लोगों से इस पर राय मांगी है। वेबसाइट पर 37 सवाल दिए गए हैं। उनमें शादी, तलाक, विरासत और उत्तराधिकार जैसे विषय शामिल हैं। यह कानून उत्तराखंड में पहले ही लागू हो चुका है।

टाइगर श्रॉफ की कार पर पांच राउंड फायरिंग, एक्टर सुरक्षित



संचार जगत

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर रविवार शाम मुंबई के जुहू स्थित पुष्पा पार्क के पास पांच राउंड फायरिंग की गई। इस हमले में टाइगर श्रॉफ सुरक्षित बच गए, जबकि उनके ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति को गोली लगी। दोनों घायलों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, घटना शाम करीब 7 बजे हुई, जब टाइगर फुटबॉल खेलकर लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन लोगों ने उनकी कार पर कथित तौर पर गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए। हमले के बाद सोशल मीडिया पर एक ऑडियो क्लिप वायरल हुई, जिसमें अनिल पंडित नाम के एक व्यक्ति ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया। ऑडियो में सलमान खान और उनके परिवार को भी धमकी दी गई। इसमें फिल्म इंडस्ट्री के उन लोगों को निशाना बनाने की बात कही गई, जो सलमान खान के साथ काम करते हैं या लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ बोलते हैं। टाइगर श्रॉफ के घर की सुरक्षा

राहुल बोले- मुझ पर केस किया तो कानूनी लड़ाई में फंस जाएगी सरकार

संचार जगत

पणजी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को गोवा में भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वोट चोरी करते हैं। उन्होंने कहा कि वह हर राज्य में यह बात कहते हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया जाता। राहुल ने दावा किया कि सरकार जानती है कि मामला दर्ज होने पर यह कानूनी लड़ाई में बदल जाएगा। राहुल गांधी



कांग्रेस की 'गोय राखोन यात्रा' के समापन कार्यक्रम में शामिल होने गोवा पहुंचे थे। मडगांव में पैदल मार्च के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से निपटने के लिए कांग्रेस का काम जारी है। उन्होंने दावा किया कि सरकार की एक्सपायरी डेट नजदीक आ रही है और देश का युवा उसके खिलाफ खड़ा हो गया है। राहुल ने गोवा सरकार पर भ्रष्टाचार और जमीनों से जुड़े मामलों को लेकर आरोप लगाए।

शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों को नियुक्त किया जा रहा है। उन्होंने बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि गोवा की जनता को रोजगार, जमीन और अपनी पहचान से जुड़े सवालों पर जवाब चाहिए। 22 सितंबर से शुरू हुई 'गोय राखोन यात्रा' गोवा की सभी 40 विधानसभा सीटों तक पहुंची। कांग्रेस ने इस अभियान के दौरान जमीन, पर्यावरण, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सुरक्षा जैसे मुद्दे उठाए।

विरोध प्रदर्शन में आपत्तिजनक नारे लगाने का आरोप

तीन सौ प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

संचार जगत

पणजी। एसआईआर में हेराफेरी का आरोप लगाते हुए कॉकरोच जनता पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है। इसके लिए उसके तीनों बड़े नेता अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरभ दास जेल भी जा चुके हैं। इस सबके बीच गोवा पुलिस ने 11 अक्टूबर को पणजी में सीजेपी के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए 300 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि उन्होंने इस दौरान हिंदू विरोधी नारे लगाए। पणजी पुलिस इंस्पेक्टर विजयकुमार चोडनकर ने कहा कि पणजी में आयोजित एक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के पदाधिकारियों और समर्थकों ने नारे लगाए। इससे धार्मिक असंतोष फैला और जानबूझकर हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा था कि घटना की जांच चल रही है और सरकार राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी।

सम्पादकीय

'आकाशवाणी' बना जंतर-मंतर

विपक्ष के 'इंडी' गठबंधन ने 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' निकाला, लेकिन वह हुजूम के अलावा कुछ भी साबित नहीं हुआ। अंतत: विरोध-प्रदर्शन 'बंजर' ही रहा। यदि विपक्ष को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो चुनाव आयुक्तों से मिल कर अपना ज्ञापन सौंपना था, तो संवैधानिक संस्था के प्रोटोकॉल के मुताबिक, समय मांगना चाहिए था। करीब 200 या 300 सांसद एकसाथ चुनाव आयोग में न तो जा सकते हैं और न ही कोई सार्थक संवाद संभव है, लिहाजा विपक्ष के 5-7 नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल तय किया जाना चाहिए था, जो चुनाव आयोग में संवाद कर सकता था। बैरिकेड्स पर चढऩा, अपनी पहलवानी मुद्राएं दिखाना और अनाप-शनाप नारेबाजी करने से न तो सत्ताएं घबराती हैं और न ही सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता डर कर इस्तीफा दे सकते हैं। उन्हें भी संविधान का संरक्षण हासिल है। सवाल आंदोलन की नीयत और हुजूम की अराजकता का भी है। जब विपक्ष को चुनाव आयोग के मुख्यालय तक मार्च करना था, तो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, उनकी सांसद बहन प्रियंका गांधी और कुछ पिछलग्गू कांग्रेसी सांसद अचानक 'आकाशवाणी भवन' में क्यों घुस गए? वहां सरकारी दफ्तर हैं, जो कामकाज करते रहते हैं। उन्हें बाधा पहुंचाना भी दंडनीय अपराध है। कांग्रेस गच्चा देकर चुनाव आयोग तक पहुंचने की 'पहलवानी' की रणनीति खेल रही होगी, क्योंकि 'आकाशवाणी' के पिछले दरवाजे से आयोग का मुख्य दरवाजा कुछ मीटर के फासले पर ही था, लेकिन सुरक्षा-व्यवस्था अपेक्षाकृत ज्यादा चौकन्नी होती है। वह दरवाजा स्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। अंतत: राहुल गांधी और सहयोगी प्रदर्शनकारियों को हार कर, 'आकाशवाणी भवन' के भीतर ही, बरगद के पुराने पेड़ की छाया में, कथित धरना देना पड़ा। यह नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद के प्रति सम्मान का भाव ही था कि पुलिस अधिकारी और बाद में गृह मंत्रालय के आला अफसरों ने राहुल गांधी को समझाया कि 'आकाशवाणी भवन' जंतर-मंतर नहीं है। धरने-प्रदर्शन का अधिकृत स्थान नहीं है, लिहाजा उन्हें धरना समाप्त कर देना चाहिए। लेकिन राहुल, प्रियंका, वेणुगोपाल, दीपेन्द्र हुड्डा, पवन खेड़ा आदि कांग्रेसी सांसद करीब 9 घंटे तक पेड़ के नीचे बैठे रहे। वहीं खाना-पीना जारी रहा। यह कैसा विरोध-प्रदर्शन था! नारेबाजी भी थक कर खामोश हो चुकी थी। सांसद अलसा रहे थे। अंतत: गृह मंत्रालय के शीर्ष आदेशों के बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें जबरन उठाया और हिरासत में लेकर किंग्सवे कैंप पुलिस लाइन भेज दिया।

विश्व में भारत की आवाज के संवाहक ' राजदूत '



हर वर्ष 9 अक्टूबर को भारतीय विदेश सेवा दिवस मनाया जाता है। 1946 में इसी दिन विदेश सेवा की औपचारिक स्थापना हुई थी। स्वतंत्रता से कुछ माह पूर्व पंडित जवाहरलाल नेहरू की सोच थी कि स्वतंत्र भारत को विश्व में अपनी बात कहने के लिए ऐसे युवाओं की आवश्यकता होगी जो भारत की सभ्यता को जानते हों, संविधान को समझते हों और विश्व मंच पर भारत का पक्ष तर्क और गरिमा के साथ रख सकें। उसी सोच से भारतीय विदेश सेवा का जन्म हुआ।आज 78 वर्षों बाद भारतीय विदेश सेवा केवल एक नौकरी नहीं, भारत की वैश्विक पहचान बन चुकी है। अंग्रेजों के समय में भी विदेश विभाग था, पर वह ब्रिटिश हितों के लिए कार्य करता था। 1946 में पहली बार भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों का चयन हुआ। पहले बैच में 8 अधिकारी थे। उनमें के.पी.एस. मेनन प्रथम विदेश सचिव बने। 1947 में जब भारत स्वतंत्र हुआ तो हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती थी कि विश्व में स्वयं को नए राष्ट्र के रूप में स्थापित करना। संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का प्रश्न, गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव, राष्ट्रमंडल में भारत की भूमिका आदि। इन सभी में प्रारंभिक विदेश सेवा अधिकारियों ने अपनी योग्यता सिद्ध की। विजयलक्ष्मी पंडित जब संयुक्त राष्ट्र महासभा की प्रथम महिला अध्यक्ष बनीं तो वह भारतीय विदेश नीति की ही विजय थी। सामान्य धारणा है कि विदेश सेवा अधिकारी केवल विदेश में रह कर दावतों में जाते हैं। यह सबसे बड़ी भ्रांति है। विदेश सेवा के कार्यों को चार भागों में समझा जा सकता है। पहला राजनीतिक कार्य ; विदेश में भारत के हितों की रक्षा करना, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना, वार्ता करना, समझौते करवाना। जब भारत और अमेरिका के बीच परमाणु समझौता हुआ, जब भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिली, तब पर्दे के पीछे महीनों तक विदेश सेवा के अधिकारियों ने ही कार्य किया था। दूसरा आर्थिक और वाणिज्यिक कार्य ; भारतीय कंपनियों को विदेश में निवेश दिलाना, विदेशी निवेश को भारत लाना, व्यापारिक विवादों को सुलझाना। खाड़ी देशों में लाखों भारतीय श्रमिक कार्य करते हैं, उनकी नौकरियों की सुरक्षा विदेश सेवा ही करती है। तीसरे सांस्कृतिक और जनसंपर्क ; योग, आयुर्वेद, हिन्दी, बॉलीवुड, बौद्ध परंपरा इन सब को विश्व में ले जाना। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के माध्यम से विदेशों में भारतीय महोत्सव आयोजित करना, प्रवासी भारतीयों को भारत से जोड़ना। चौथा संकट में सहायता , जब भी विश्व में कोई संकट आता है, तब भारतीय विदेश सेवा सबसे पहले सक्रिय होती है। ऑपरेशन गंगा, यूक्रेन से 22 हजार भारतीयों की वापसी, ऑपरेशन कावेरी, सूडान से वापसी, ऑपरेशन देवी शक्ति, अफगानिस्तान से वापसी, वंदे भारत अभियान, कोरोना काल में 60 लाख भारतीयों की वापसी, इन सभी के पीछे विदेश सेवा के अधिकारियों की निर्बाध योजना थी। लखनऊ के कई छात्र जो यूक्रेन में फँसे थे, वे आज अपने परिवार में हैं तो उसके पीछे किसी दूतावास के अधिकारी की रात भर की जाग रही आँखें हैं। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले युवाओं में से कुछ ही विदेश सेवा में आते हैं। उसके बाद मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री अकादमी में बुनियादी प्रशिक्षण, फिर दिल्ली के सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान में डेढ़ वर्ष का गहन प्रशिक्षण। यहाँ उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून, राजनय, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, विदेशी भाषा, सैन्य इतिहास पढ़ाया जाता है। हर अधिकारी को एक अनिवार्य विदेशी भाषा सीखनी होती है , अरबी, चीनी, फ्रांसीसी, रूसी, जापानी आदि। फिर वह उस देश में भेजा जाता है जहाँ उस भाषा का प्रयोग होता है। एक अधिकारी को अपने 30-35 वर्ष के कार्यकाल में 10 से 12 देशों में कार्य करना होता है, हर तीन वर्ष में देश बदलता है, हर बार नई भाषा, नई संस्कृति, नया समाज। इतने परिवर्तन में भी स्वयं को भारतीय बनाए रखना, यही सबसे बड़ी साधना है।

भारतीय विदेश सेवा ने भारत को कई प्रेरणादायक रत्न दिए हैं। जैसे, के.आर. नारायणन , विदेश सेवा से निकल कर भारत के राष्ट्रपति बने। हरिवंश राय बच्चन के पुत्र नहीं, परन्तु विदेश सेवा में रहे कई लेखक, जैसे लेखक-समीक्षक अभय कुमार जिन्होंने पृथ्वी को कविता में पिरोया। निरुपमा राव , भारत की द्वितीय महिला विदेश सचिव, जिन्होंने अमेरिका में भारत की छवि को नई ऊँचाई दी। एस. जयशंकर , आज के विदेश मंत्री, जो स्वयं विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं और जिन्होंने विदेश नीति को जन-जन की नीति बना दिया है। पहले विदेश नीति को दिल्ली के साउथ ब्लॉक तक सीमित माना जाता था। आज वह किसान तक पहुँच गई है। जब खाड़ी देशों में अनाज निर्यात होता है, जब ऑस्ट्रेलिया में भारतीय छात्रों पर हमला होता है, जब अमेरिका में एच-1बी वीज़ा की नीति बदलती है , तब विदेश सेवा सीधे सामान्य नागरिक के जीवन को प्रभावित करती है। पिछले दस वर्षों में विदेश सेवा ने तीन बड़े परिवर्तन किए हैं । पहला, प्रवासी भारतीयों को केंद्र में लाना। आज पासपोर्ट सेवा सहज हो गई है, दूतावास 24 घंटे सहायता के लिए उपलब्ध हैं। ट्विटर पर एक संदेश पर दूतावास सहायता करता है। दूसरा, आर्थिक कूटनीति। अब राजदूत केवल राजनीतिक संदेश नहीं देते, वे भारत में निवेश भी लाते हैं। तीसरा, सांस्कृतिक कूटनीति। योग दिवस को संयुक्त राष्ट्र में 177 देशों का समर्थन दिलाना, यह केवल सरकार की जीत नहीं, हमारे राजदूतों की महीनों की मेहनत थी। विदेश सेवा की राह फूलों की नहीं है बल्कि इसमें चुनौतियां भी महत्वपूर्ण हैं। एक छोटा संवर्ग है ,लगभग 900 अधिकारी ही हैं, जबकि चीन में 6000 और अमेरिका में 15000 से अधिक। संसाधन कम हैं, चुनौती बड़ी है। परिवार से दूर रहना, बच्चों की शिक्षा बदलते देश में करवाना, सुरक्षा का खतरा झेलना , यह सब इनके जीवन का हिस्सा है। कई बार दूतावास पर हमले भी होते हैं, जैसे अफगानिस्तान में। फिर भी अधिकारी डटे रहते हैं। यहाँ स्पष्ट करना आवश्यक है कि आईएफएस का अर्थ भारतीय वन सेवा भी है, जो 1966 में बनी और पर्यावरण संरक्षण का कार्य करती है। परन्तु 9 अक्टूबर को मनाया जाने वाला दिवस भारतीय विदेश सेवा का है। दोनों ही सेवाएँ भारत की धरोहर हैं । एक भारत की सीमाओं के भीतर वनों की रक्षा करती है, दूसरी सीमाओं के बाहर भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करती है। भारतीय विदेश सेवा दिवस हमें याद दिलाता है कि आज जब भारत विश्व में पाँचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जब चंद्रमा पर हमारा झंडा है, जब विश्व की हर बड़ी मेज पर भारत की कुर्सी है, तो उसके पीछे उन 900 अधिकारियों और उनके हजारों सहयोगियों की तपस्या है जो बिना किसी शोर के भारत के तिरंगे को विदेशी धरती पर ऊँचा रखते हैं।

जीवन एक स्वर लहरी अनुशासन,संयम उनके गीत



भगवान बुद्ध ने इसी साहस,संयम और अनुशासन को संतुलन को मध्यम मार्ग के रूप में सामने रखा।उन्होंने अति-भोग और अति-कठोरता, दोनों से बचने की सीख दी। यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उपभोग की बढ़ती संस्कृति में संयम केवल व्यक्तिगत सद्गुण नहीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी भी है। जरूरत और लालच के बीच का अंतर समझ लेना जीवन को सरल और मन को हल्का कर सकता है।

संस्कृत का प्रसिद्ध वाक्य है— 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम् ', अर्थात शरीर ही सभी श्रेष्ठ कार्यों को पूरा करने का पहला साधन है।

महात्मा गांधी ने स्वास्थ्य को जीवन और सेवा से जोड़कर देखा। सादा भोजन, श्रम, स्वच्छता, नियमितता और आत्मसंयम उनके जीवन का हिस्सा थे। उन्होंने शरीर को विलासिता का साधन नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना। उनका जीवन बताता है कि स्वास्थ्य केवल रोग से बचने का नाम नहीं; यह ऐसी जीवनशक्ति है, जो मनुष्य को अपने दायित्व निभाने योग्य बनाती है।

जीवन केवल सांसों के आने-जाने का नाम नहीं, बल्कि उन सांसों के बीच धड़कते अनुभवों, संघर्षों, आशाओं और सपनों की यात्रा है। इस यात्रा को सार्थक बनाने के लिए शरीर का स्वस्थ, मन का संयमित और जीवन का अनुशासित होना आवश्यक है। इसलिए यह कहना सार्थक है कि 'स्वास्थ्य, संयम और अनुशासन जीवन का स्पंदित संगीत है।' जैसे संगीत अनेक स्वरों के संतुलन से मधुर बनता है, वैसे ही जीवन भी संतुलन से सुंदर और सार्थक होता है। स्वास्थ्य जीवन की पहली पूंजी है। धन, पद और सुविधाएं मनुष्य को बहुत कुछ दे सकती हैं, लेकिन स्वस्थ शरीर और शांत मन नहीं खरीद सकतीं। जब शरीर स्वस्थ होता है तो साधारण क्षण भी आनंद देते हैं—सुबह की धूप, खुली हवा, पेड़ों की छांव या किसी अपने की मुस्कान। बीमारी इन छोटी खुशियों की चमक तक फीकी कर देती है। भारतीय चिंतन ने इस सत्य को बहुत पहले पहचान लिया था।

आज सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। लंबे समय तक बैठे रहना, अनियमित भोजन, देर रात तक जागना, अत्यधिक स्क्रीन समय और लगातार मानसिक दबाव आधुनिक जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। हम थकान को उत्तेजना से और बेचैनी को मनोरंजन से ढकने की कोशिश करते हैं, जबकि शरीर को विश्राम और मन को शांति चाहिए। इसलिए स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित भोजन, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और प्रकृति से जुड़ाव को दिनचर्या में स्थान देना होगा।

स्वास्थ्य के साथ संयम आवश्यक है। इच्छाएं मनुष्य के स्वभाव का हिस्सा हैं, लेकिन हर इच्छा की पूर्ति जरूरी नहीं। संयम इच्छाओं का दमन नहीं, उनका विवेकपूर्ण नियमन है। भोजन, धन, उपभोग, वाणी, क्रोध और मनोरंजन—हर क्षेत्र में इसकी जरूरत है। मनुष्य की परिपक्वता इस बात से भी पहचानी जाती है कि वह अपनी सामर्थ्य के बावजूद स्वयं को अनुशासन में संयमित करना होगा। महात्मा गांधी का जीवन आत्मसंयम की शक्ति का दूसरा महत्वपूर्ण उदाहरण है। सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह उनके लिए केवल विचार नहीं, जीवन के प्रयोग थे। वे दूसरों को बदलने से पहले स्वयं को बदलने का प्रयास करते थे। यही आत्मपरीक्षण आज भी जरूरी है। दूसरों की कमियां देखना आसान है; अपनी आदतों और कमजोरियों को पहचानना कठिन। संयम मनुष्य को इसी ईमानदार आत्मदर्शन की ओर ले जाता है।

स्वास्थ्य और संयम को स्थायी रूप देने वाली शक्ति है अनुशासन। प्रतिभा अवसर दिला सकती है, लेकिन अनुशासन उपलब्धि को स्थायित्व देता है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को लक्ष्य के प्रति जागरूक और कर्म के प्रति समर्पित होने का संदेश दिया। उनका आह्वान— 'उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए '—निरंतर प्रयत्न और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन भी अनुशासन और परिश्रम की शक्ति का प्रेरक उदाहरण है। साधारण परिस्थितियों से निकलकर वैज्ञानिक और राष्ट्राध्यक्ष बनने तक की उनकी यात्रा बताती है कि बड़े सपनों को आकार देने के लिए अध्ययन, समय का सदुपयोग, निरंतर प्रयास और असफलताओं से सीखने का साहस चाहिए। प्रतिभा तभी फलती है जब उसे अनुशासित श्रम का आधार मिले।

अनुशासन का अर्थ केवल समय पर उठना या काम पूरा करना नहीं है। यह अपने समय, विचार, शब्द और व्यवहार को उद्देश्यपूर्ण बनाना है। विद्यार्थी के लिए नियमित अध्ययन, खिलाड़ी के लिए अभ्यास, कलाकार के लिए साधना और नागरिक के लिए कर्तव्यनिष्ठा—अनुशासन के अलग-अलग रूप हैं। इसके अभाव में प्रतिभा बिखर जाती है और ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है।

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में सबसे जरूरी है कि हम कभी-कभी रुककर स्वयं से पूछें—क्या हम अपने शरीर के लिए समय निकाल रहे हैं? क्या हमारी इच्छाएं हमारी जरूरतों पर हावी हो गई हैं? क्या व्यस्तता ने हमारी दिनचर्या को अव्यवस्थित कर दिया है? ऐसे प्रश्न असुविधाजनक जरूर हैं, लेकिन आत्मसुधार की शुरुआत अक्सर इन्हीं से होती है। परिवर्तन के लिए बड़े संकल्पों की आवश्यकता नहीं। नियमित चलना, संतुलित भोजन करना, पर्याप्त नींद लेना, कुछ समय मोबाइल से दूर रहना, क्रोध में प्रतिक्रिया देने से पहले ठहरना, अनावश्यक उपभोग से बचना और अपने समय का सम्मान करना—ये छोटी आदतें जीवन की दिशा बदल सकती हैं। अनुशासन कठोरता नहीं; अपने बेहतर भविष्य के प्रति वर्तमान की जिम्मेदारी है। अंतत: स्वास्थ्य हमें कर्म की शक्ति देता है, संयम सही चुनाव की बुद्धि और अनुशासन लक्ष्य तक पहुंचने की निरंतरता। इन तीनों का संतुलन मनुष्य को केवल सफल नहीं, बल्कि संवेदनशील और जिम्मेदार भी बनाता है।

कथा

मेरे हिस्से का घर-परिवार

'देख संगीता, मैं बाज़ार से यह सलेक्स ले आई हूँ। तुम कल कह रही थी न कि तुम्हारी पीली वाली सलेक्स खराब हो गई है? इसलिए यह ले आई।'

संगीता के चेहरे पर जरा भी खुशी नहीं आई। उसने पूछा, 'कितने की है यह सलेक्स?'

सासू माँ बोलीं, 'छ: सौ पचास रुपये की।'

संगीता खीझकर बोली, 'इतनी महँगी सलेक्स लाने की क्या ज़रूरत थी? मुझे नहीं चाहिए। कल वापस कर आइए।'

सासू माँ का चेहरा उतर गया। 'ठीक है,' वे धीमे स्वर में बोलीं और उदास मन से अपने कमरे में चली गईं।

अभय यह सब देख रहा था। माँ के जाते ही बोला, 'तुमने ठीक नहीं किया। सलेक्स रख लेती तो क्या हो जाता! अगर दुकान ने कल वापस न ली तो? माँ फिर बाजार जाएँगी, परेशान होंगी।'

संगीता मुस्कुराई, 'आप देखते जाइए... वे कल बाज़ार नहीं जाएँगी।'

अभय कुछ समझ पाता, इससे पहले ही सासू माँ वापस कमरे में आईं। हाथ में वही सलेक्स थी। बोलीं, 'बहू, कपड़ा बहुत अच्छा है, तुम इसे रख ही लो।'

संगीता ने कहा, 'ठीक है, रख लेती हूँ... लेकिन आगे से मत लाइएगा।'

इतना सुनते ही सासू माँ बच्चों की तरह खिल उठीं, फिर बोलीं, 'इस रिमझिम को देखो, मेरी एक नहीं सुनती! कल झाड़ू लगाते हुए कोनों में कूड़ा छोड़ दिया था। तुम इसे समझा देना—मेरी बात माने, वरना काम से निकाल दूँगी।' इतना कहकर वे रिमझिम को आवाज़ देती बाहर चली गईं।

संगीता रसोई की ओर बढ़ने लगी तो अभय बोला, 'जब आखिर में सलेक्स रखनी ही थी तो पहले क्यों नहीं रख ली?'

संगीता हँस दी, 'पहले रख लेती तो कल कुछ और नया ले आतीं।'

अभय बोला, 'सच कहूँ, माँ के साथ निभाना आसान नहीं। तभी तो मेरा कोई भाई-बहन उन्हें अपने साथ नहीं रखना चाहता।'संगीता ने पलटकर पूछा, 'पर माँ को साथ नहीं रखेंगे तो बच्चों को दादी का प्यार कौन देगा? और वे रहेंगी कहाँ?'

अभय ने कहा, 'फिर तुम दोनों सारा दिन नोकझोंक क्यों करती रहती हो? तुम माँ के हर काम में मीन-मेख निकालती हो।'

मस्तिष्क के रहस्यों की नई खोज से मानवता के उजाले

मानव सभ्यता की यात्रा अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा है। कभी मनुष्य ने प्रकृति के रहस्यों को समझने के लिए आकाश की ओर देखा, कभी धरती की गहराइयों में उतरकर जीवन के सूत्र खोजे और कभी अपने शरीर के भीतर छिपी अद्भुत शक्तियों को जानने का प्रयास किया। विज्ञान की प्रत्येक महत्वपूर्ण खोज ने मनुष्य के सामने एक नया क्षितिज खोला है। लेकिन इन सभी खोजों के बीच मानव मस्तिष्क आज भी सबसे बड़ी पहेली बना हुआ है। जिस मस्तिष्क ने विशाल पर्वतों को लांघने, समुद्रों की गहराइयों को नापने, अंतरिक्ष तक पहुंचने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करने की क्षमता अर्जित की, उसी मस्तिष्क के भीतर विचार कैसे जन्म लेते हैं, स्मृतियां कैसे आकार पाती हैं, भावनाएं हमारे व्यवहार को किस प्रकार संचालित करती हैं और मानसिक पीड़ा मनुष्य के जीवन को किस तरह बदल देती है, ये प्रश्न लंबे समय से वैज्ञानिकों को चुनौती देते रहे हैं। ऐसे में मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश के माध्यम से नियंत्रित करने से संबंधित अनुसंधान का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को समझने और उसके दुखों को कम करने की दिशा में एक नई आशा का संचार करता है। वर्ष 2026 के चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के संबंध में प्रस्तुत विवरण में कार्ल डेइसेरोथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नागेल की जिस खोज का उल्लेख है, वह विज्ञान की इसी खोजी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस अनुसंधान से विकसित प्रकाशानुवंशिकी तकनीक ने मस्तिष्क की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए एक ऐसा मार्ग उपलब्ध कराया है, जिसके माध्यम से वैज्ञानिक विशेष तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश की सहायता से सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इसकी शुरुआत किसी विशाल प्रयोगशाला में मनुष्य के मस्तिष्क पर किए गए प्रयोग से नहीं, बल्कि एक छोटे से शैवाल में प्रकाश के प्रति संवेदनशील प्रोटीन को समझने के प्रयास से हुई। प्रकृति के एक सूक्ष्म जीव में छिपे रहस्य ने मानव मस्तिष्क के अध्ययन के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। यह घटना हमें बताती है कि प्रकृति में छोटा-बड़ा कुछ भी महत्वहीन नहीं होता। कभी-कभी जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं का समाधान प्रकृति के सबसे छोटे घटकों में छिपा होता है।

इस खोज की मूल भावना को समझना आवश्यक है। हमारे मस्तिष्क में असंख्य तंत्रिका कोशिकाएं विद्युत और रासायनिक संकेतों के माध्यम से परस्पर संवाद करती हैं। यही संवाद हमारी स्मृति, संवेदना, भय, प्रसन्नता, निर्णय और व्यवहार को प्रभावित करता है। पहले वैज्ञानिक मस्तिष्क के उन हिस्सों का अध्ययन कर सकते थे जो किसी विशेष गतिविधि के समय सक्रिय होते हैं, लेकिन केवल सक्रियता देख लेने से यह निश्चित करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क का अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता की संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बनी रहे।

यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के नए रास्ते खोले, प्रतिजैविक औषधियों ने अनेक प्राणघातक संक्रमणों के उपचार को संभव बनाया और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने असंख्य जीवन बचाए। इन उपलब्धियों की विशेषता केवल उनकी वैज्ञानिक नवीनता नहीं थी, बल्कि उनका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी था। दूसरी ओर, विज्ञान की कुछ खोजों को प्रयोगशाला से सामान्य जीवन तक पहुंचने में दशकों लगे। मस्तिष्क संबंधी अनुसंधान भी इसी लंबी यात्रा का हिस्सा है। इसका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा, जब इससे प्राप्त ज्ञान सुरक्षित उपचारों, सुलभ चिकित्सा और रोगियों के जीवन में ठोस सुधार का आधार बनेगा।

जीएसटी चोरी पर 10 प्रतिष्ठानों में छापेमारी, 2.85 करोड़ की अनियमितताएं उजागर

संचार जगत

जयपुर। वाणिज्यिक कर विभाग ने जीएसटी चोरी और अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के मामलों में प्रदेशभर में 10 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सर्वे एवं जांच की कार्रवाई की। 12 और 13 अक्टूबर को जयपुर, अजमेर, ब्यावर, डीडवाना-कुचामन, खैरथल-तिजारा और फलोदी में की गई कार्रवाई में करीब 2.85 करोड़ रुपये की संभावित कर अनियमितताएं सामने आईं। विभाग के अनुसार, करदाताओं ने करीब 2.51 करोड़ रुपये स्वेच्छा से जमा कराए या आईटीसी रिवर्स किया है। जांच में रिसॉर्ट निर्माण में अपात्र आईटीसी, बिना बिल बिक्री, कारोबार छिपाने और गलत कर दर लागू करने जैसे मामले सामने आए। जयपुर के स्टर्बन रिसॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने 55.26 लाख रुपये का आईटीसी रिवर्स किया, जबकि एजीआरएस वेंचर्स एलएलपी के मामले में 99.76 लाख रुपये का आईटीसी रिवर्स किया गया। अजमेर और ब्यावर में फर्नीचर, टिम्बर और प्लाईवुड कारोबारियों के यहां स्टॉक का सत्यापन कर दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड जब्त किए गए। डीडवाना-कुचामन में एक प्लाईवुड कारोबारी ने सात लाख रुपये जमा कराए। जयपुर के हेयर विग हाउस प्राइवेट लिमिटेड के मामले में गलत कर वर्गीकरण से संबंधित जांच के दौरान 13.49 लाख रुपये जमा कराए गए। खैरथल-तिजारा में वान्स एल्युमिनियम डिजाइन एलएलपी की जीएसटी विवरणियों में 53.89 लाख रुपये का अंतर सामने आया, जबकि 22.21 लाख रुपये जमा कराए गए। फलोदी के बाप में एस.के. क्रेन सर्विस के यहां अपात्र आईटीसी और बिक्री विवरण में नहीं दर्शाए गए डीजी सेट से संबंधित अनियमितताएं मिलीं। यहां 15.74 लाख रुपये जमा कराए गए। विभाग के अनुसार, जब्त दस्तावेजों, स्टॉक और जीएसटी विवरणियों का मिलान कर वास्तविक कर देयता निर्धारित की जाएगी। अनियमितताएं प्रमाणित होने पर जीएसटी अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

33 केवी लाइन से झुलसा युवक, कांस्टेबल ने बचाई जान

शराब के नशे में बिजली के पोल पर चढ़ा, रस्सी से नीचे उतार अस्पताल पहुंचाया



संचार जगत

जयपुर। खोरा बीसल के औद्योगिक क्षेत्र में रविवार सुबह शराब के नशे में 33 केवी बिजली लाइन के पोल पर चढ़ा एक युवक करंट से झुलस गया। पोल पर फंसे युवक को खोराबीसल थाने के कांस्टेबल सुनील कुमार ने स्थानीय लोगों की मदद से नीचे उतारा। इसके बाद उसे एंबुलेंस से कांवटिया अस्पताल पहुंचाया गया। थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह के अनुसार, घटना सुबह करीब 7:45 बजे की है। युवक की पहचान मोतीलाल (50) निवासी सागर, मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। वह वर्तमान में खोरा बीसल की बावड़ी तरहटी कच्ची बस्ती में रहकर मजदूरी करता है।

मदद की गुहार सुनकर पहुंचे कांस्टेबल

33 केवी लाइन की चपेट में आने से मोतीलाल बुरी तरह झुलस गया और पोल पर ही फंस गया। उसकी आवाज सुनकर स्थानीय लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। मौके पर पहुंचे कांस्टेबल सुनील कुमार ने दो-तीन स्थानीय लोगों की मदद से रस्सी के सहारे युवक को नीचे उतारा। अधजली हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

कोहरे के कारण दिसंबर से फरवरी तक छह ट्रेनें प्रभावित

संचार जगत

जयपुर। सर्दियों में कोहरे के कारण कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। उत्तर पश्चिम(नॉर्थ-वेस्टर्न) रेलवे ने दिसंबर 2026 से फरवरी 2027 तक दो ट्रेनों को पूरी तरह कैंसिल करने और चार ट्रेनों के फेरे कम करने का फैसला किया है। इनमें अजमेर-अमृतसर, अजमेर-सियालदह और लालगढ़-डिब्रूगढ़ रूट की ट्रेनें शामिल हैं। नॉर्थ-वेस्टर्न रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि कोहरे के दौरान सुरक्षित ट्रेन संचालन के लिए यह फैसला लिया गया है। अजमेर-अमृतसर ट्रेन दोनों तरफ से कैंसिल रहेगी। वहीं, अजमेर-सियालदह और लालगढ़-डिब्रूगढ़ ट्रेनें तय तारीखों पर नहीं चलेंगी।

नामांकन खारिज करने पर हाईकोर्ट ने याचिका की खारिज

संचार जगत

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट रविवार को एक महीने में दूसरी बार विशेष सुनवाई के लिए खुला। न्यायमूर्ति डॉ. नूपुर भाटी की अदालत ने बाड़मेर जिला परिषद के वार्ड 35 से कांग्रेस प्रत्याशी आवड़ दान का नामांकन खारिज किए जाने के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद उसमें बाधा या देरी पैदा करने वाले आदेश पारित करने से बचना चाहिए। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि रिटर्निंग अधिकारी ने बिना ठोस कारण और उचित सुनवाई का अवसर दिए उनका नामांकन खारिज कर दिया। उन्हें इसकी जानकारी 15 अक्टूबर को अखबार के माध्यम से मिली थी।

अजमेर में विधायक मद से 11.82 लाख रुपये की लागत से खरीदी एम्बुलेंस रेडक्रॉस सोसायटी को सौंपी

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संचार जगत

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने रविवार को अजमेर जिले के रेडक्रॉस सोसायटी में आयोजित कार्यक्रम में विधायक मद से 11.82 लाख रुपये की लागत से क्रय की गई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस एम्बुलेंस के माध्यम से गरीब एवं असहाय मरीजों को न्यूनतम दर पर परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा चिकित्सा एवं जनसेवा के क्षेत्र में निरंतर महत्वपूर्ण



गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सोसायटी की ओर से एम्बुलेंस की आवश्यकता के संबंध में अनुरोध किया गया था। इस पर विधायक मद से 11.82 लाख रुपये की लागत से एम्बुलेंस क्रय कर सोसायटी को सौंपी गई है। इसका क्रय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के माध्यम से किया गया है। उन्होंने कहा कि यह एम्बुलेंस जरूरतमंद मरीजों को सुलभ एवं किफायती चिकित्सा परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने में उपयोगी सिद्ध होगी। श्री देवनानी ने कहा कि अजमेर में चिकित्सा सुविधाओं को आधुनिक एवं सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। जेएलएन अस्पताल में 18 करोड़ रुपये की लागत से रोबोटिक सर्जरी जैसी अत्याधुनिक सुविधा शुरू की गई है, जिससे जटिल ऑपरेशन आधुनिक तकनीक के माध्यम से किए जा रहे हैं। उत्तर क्षेत्र स्थित सैटेलाइट अस्पताल में भी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं, जहां प्रतिदिन 400 से अधिक मरीज ओपीडी सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जेएलएन अस्पताल में लगभग 190 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक का निर्माण किया जा रहा है। इससे मरीजों को उन्नत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की सभी डिस्पेंसरियों में एक्स-रे सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र में लेपर्ड सफारी, झीलों का विकास, साइंस पार्क, कन्वेंशन सेंटर तथा नए खेल स्टेडियम सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन के कार्य करवाए जा रहे हैं। पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 270 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजना पर भी कार्य किया जा रहा है।

गाय, किसान और महंगाई पर भाजपा के दावों की खुली पोल : टीकाराम जूली

संचार जगत

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में कितना अंतर है, यह अब प्रदेश की जनता देख रही है। चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करने और भावनात्मक मुद्दों पर वोट मांगने वाली भाजपा सत्ता में आने के बाद जनता की समस्याओं से मुंह मोड़ रही है। गायों के नाम पर वोट मांगने वाली भाजपा सरकार में आज स्थिति यह है कि गौशाला संचालकों को समय पर अनुदान दिलवाने की मांग के लिए जयपुर आकर सरकार से गुहार लगाने को मजबूर होना पड़ रहा है। प्रदेश की जनता को याद है कि कांग्रेस सरकार ने गौशालाओं को नौ माह तक अनुदान देने का निर्णय लिया था, ताकि गौवंश की देखभाल में कोई कमी नहीं आए। भाजपा बताए कि गायों के नाम पर राजनीति करने वालों को आज गौशाला संचालकों की परेशानियां क्यों नहीं दिखाई दे रही हैं? जूली ने कहा कि भाजपा ने वर्षों तक पाकिस्तान के नाम पर चुनावी राजनीति की और जनता को राष्ट्रवाद के नाम पर गुमराह करने का प्रयास किया। आज भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन राठौड़ के पाकिस्तान के समर्थन में दिए गए बयान ने भाजपा की राजनीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पाकिस्तान के मुद्दे पर भाजपा का यह दोहरा रवैया जनता के सामने है। जूली ने कहा कि भाजपा ने चुनावों में नारा दिया था 'बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार', लेकिन आज महंगाई ने आम आदमी का जीना मुहाल कर दिया है। रसोई का बजट बिगड़ चुका है, रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुएं महंगी हैं और आम परिवार अपनी जरूरतें पूरी



करने के लिए संघर्ष कर रहा है। दीपावली जैसे त्योहार पर भी आम आदमी को महंगाई से कोई राहत नहीं मिली। भाजपा बताए कि महंगाई कम करने के अपने वादे का क्या हुआ? जनता अब नारों से नहीं, बल्कि अपने जीवन की वास्तविक परिस्थितियों से सरकार के कामकाज का आकलन कर रही है। जूली ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हितों की बात तो करती है, लेकिन किसानों को सिंचाई के लिए पानी तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए परेशान हैं और सरकार के पास उनकी समस्याओं का कोई ठोस समाधान नजर नहीं आ रहा। कांग्रेस सरकार के समय किसानों को बिजली बिलों में राहत देते हुए उनके बिजली बिल शून्य किए गए थे और कर्जमाफी के निर्णय से किसानों को लाभ मिला था।

रूस और ब्राजील के पर्यटकों ने जयपुर में किया गरबा

रानी लक्ष्मीबाई की वेशभूषा में पहुंची युवती, तलवार-ढाल के साथ किया डांडिया



संचार जगत

जयपुर। मानसरोवर के वीटी रोड ग्राउंड पर रविवार को दैनिक भास्कर अभिव्यक्ति गरबा महोत्सव का समापन हुआ। पांच दिवसीय आयोजन के अंतिम दिन बड़ी संख्या में लोग गरबा और डांडिया खेलने पहुंचे। रूस से आई महिलाओं और ब्राजील के 20 पर्यटकों के समूह ने भी गरबा कर उत्सव में हिस्सा लिया। महोत्सव में युवती जानम शेखावत रानी लक्ष्मीबाई की वेशभूषा में पहुंचीं और तलवार-ढाल के साथ गरबा किया। वहीं, देवेश माहेश्वरी सिर पर हवा महल की आकृति पहनकर आए। एक महिला ने मोरपंख पहनकर आरती की, जबकि दूसरी कच्छी घोड़ी नृत्य करती नजर आईं। पांच दिनों तक चले महोत्सव में लाइव संगीत, गरबा और डांडिया की धूम रही। लोग परिवार और दोस्तों के साथ उत्सव का आनंद लेने पहुंचे। अंतिम दिन भव्य आतिशबाजी भी की गई।

जयपुर में 2 करोड़ के हीरे-जवाहरात चोरी, गुजरात की महिला गिरफ्तार

200 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर पुलिस ने आरोपी को पकड़ा, चोरी का माल बरामद

संचार जगत

जयपुर। माणक चौक थाना पुलिस ने ई-रिक्शा में ज्वेलरी कारोबारी के कर्मचारी से करीब दो करोड़ रुपये के हीरे-जवाहरात चोरी करने के मामले में गुजरात निवासी एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के हीरे-जवाहरात बरामद कर लिए हैं। आरोपी ने कथित तौर पर कर्मचारी की रेकी करने के बाद वारदात को अंजाम दिया था। डीसीपी नॉर्थ करण शर्मा के अनुसार, ज्वेलरी कारोबारी ने



15 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया कि वह अलग-अलग व्यापारियों को ज्वेलरी के सैंपल दिखाने और माल की खरीद-बिक्री के सिलसिले में यात्रा करता है। घटना वाले दिन वह 13 पैकेट में पन्ने, माणक और हीरे-जवाहरात लेकर ई-रिक्शा से सांगानेर गेट की ओर जा रहा था। इसी दौरान पैकेट चोरी हो गए। थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि चोरी हुए माल में अलग-अलग कैरेट के पन्ने और अन्य कीमती रत्न शामिल थे।

'पुष्पा स्टाइल' में ऑयल टैंकर से डोडा पोस्त तस्करी नाकाम, 2947 किलो डोडा पोस्त जब्त, तस्कर गिरफ्तार

संचार जगत

जयपुर। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे 'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत सिरोही पुलिस ने ऑयल टैंकर में छिपाकर की जा रही डोडा पोस्त की बड़ी खेप पकड़ी है। टैंकर से 147 प्लास्टिक के कट्टों में भरा कुल 2947 किलो 100 ग्राम अवैध डोडा पोस्त जब्त किया गया है, जिसकी कीमत करीब 4.42 करोड़ रुपये आंकी गई है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ अजेय सिंह राठौड के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई उन्होंने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र कुमार और वृत्ताधिकारी पिण्डवाड़ा राहुल कुमार के सुपरविजन में शनिवार को पिण्डवाड़ा थानाधिकारी चैल



सिंह ने जाब्ते सहित नेशनल हाईवे 62 पर वीरवाड़ा कट पर नाकाबंदी की थी। इसी दौरान टैंकर आरजे-27-जीसी-7743 आया, जिसे रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने टैंकर रोकने के बजाय उसे और तेज गति से नया सानवाड़ा की ओर भगा दिया। इस पर कांस्टेबल अभय सिंह और लोकेश कुमार ने टैंकर का पीछा किया। थानाधिकारी चैल सिंह भी जाब्ते सहित पीछे लगे और नया सानवाड़ा के पास हाईवे पर टैंकर को घेरकर रुकवा लिया। तलाशी में टैंकर के अंदर प्लास्टिक के 147 कट्टे भरे मिले। मौके पर वजन करने पर इनमें कुल 2947 किलो 100 ग्राम अवैध डोडा पोस्त निकला।

पुलिस ने टैंकर जप्त कर आरोपी शुभम चौहान पुत्र कैलाश चौहान (26) निवासी प्रतापनगर थाना प्रतापनगर सदर जिला जोधपुर को गिरफ्तार कर लिया।

कोटा में एक्सप्रेसवे पर हुए सड़क हादसे के संबंध में मुख्य सचिव ने ली बैठक

बैरियर का तकनीकी परीक्षण करवाने तथा हाईवे कैमरों को पुलिस स्टेशन एवं अभय कमांड सेंटर से इंटीग्रेट करने के निर्देश

संचार जगत

जयपुर। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने रविवार को शासन सचिवालय में शनिवार को कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुए सड़क हादसे के संबंध में समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घटना की विस्तृत जाँच की जाये और किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारी तय कर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने घटनास्थल पर स्थापित बैरियर का तकनीकी परीक्षण करवाने



तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। श्री श्रीनिवास ने कोटा जिला कलेक्टर से दुर्घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने दुर्घटना के बाद एम्बुलेंस एवं पुलिस के रिस्पॉन्स टाइम की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पुलिस तथा 108 एम्बुलेंस सेवा के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि दुर्घटना की स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध करवाई जा सके।

उन्होंने एनएचएआई के हाईवे एवं एक्सप्रेसवे पर स्थापित कैमरों को संबंधित पुलिस स्टेशनों तथा अभय कमांड सेंटर से इंटीग्रेट करने के निर्देश दिए, जिससे दुर्घटनाओं की निगरानी, त्वरित सूचना और आवश्यक कार्रवाई में मदद मिल सके। मुख्य सचिव ने कोटा मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य से हादसे में घायल व्यक्तियों के स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रभावित व्यक्तियों का समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाए तथा घायलों को नियमानुसार निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने एम्बुलेंस रिस्पॉन्स टाइम में सुधार के लिए एनएचएआई, अस्पतालों तथा एम्बुलेंस सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 17 अक्टूबर को सुबह लगभग 5 बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भोपाल से खाटूश्यामजी जा रही एक ट्रैवलर बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। वाहन लेन और बैरियर को तोड़ते हुए नाले में जा गिरा। इस हादसे में 8 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई तथा 16 व्यक्ति घायल हो गए। इस दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री प्रवीण गुप्ता, महानिदेशक पुलिस यातायात श्रीमती मालिनी अग्रवाल, शासन सचिव डॉ जोगा राम सहित परिवहन, एनएचआई, यातायात, रोड सेफ्टी के अधिकारी उपस्थित रहें तथा कोटा जिला प्रशासन के अधिकारी विडियो कांफ्रेंसिंग कॉ से जुड़े।

श्रीनिवासपुरा में स्थापित होगा आदर्श मतदान केन्द्र, मतदाताओं को मिलेगी बेहतर सुविधाएं

संचार जगत

जयपुर। पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव में मतदाताओं को सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक मतदान अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मौजमाबाद पंचायत समिति के राजकीय प्राथमिक विद्यालय, श्रीनिवासपुरा में आदर्श मतदान केन्द्र स्थापित किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव के प्रथम चरण में जिले की किसी एक पंचायत समिति में एक आदर्श मतदान केन्द्र स्थापित किया जाना है। इसी उद्देश्य से मौजमाबाद पंचायत समिति के राजकीय प्राथमिक विद्यालय, श्रीनिवासपुरा का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि आदर्श मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की सुविधा के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुगम प्रवेश व्यवस्था, स्पष्ट प्रवेश एवं निकास संकेतक, पर्याप्त प्रकाश एवं विद्युत व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल तथा स्वच्छ शौचालय की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। मतदान केन्द्र को आकर्षक ढंग से सजाने के साथ- साथ मतदान से संबंधित सेल्फी पॉइंट भी बनाया जाएगा। मतदाताओं की सहायता के लिए वोटर असिस्टेंस बूथ स्थापित कर आवश्यक मतदाता सूचनाएं प्रदर्शित की जाएंगी। दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की सुविधा के लिए उपयुक्त रैम्प, व्हीलचेयर तथा आवश्यक संकेतक उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अतिरिक्त मतदाताओं के लिए छायादार प्रतीक्षा स्थल एवं व्यवस्थित कतार व्यवस्था की जाएगी। मतदान केन्द्र पर प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ आवश्यकता के अनुसार स्वयंसेवकों एवं एनएसएस की सहायता भी ली जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान केन्द्र को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं मतदाता-अनुकूल बनाया जाएगा। इसके लिए स्थानीय कला एवं संस्कृति तथा पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का यथासंभव उपयोग किया जाएगा उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आदर्श मतदान केन्द्र पर निर्धारित सभी व्यवस्थाएं मतदान दिवस से पूर्व पूर्ण कर ली जाएं तथा मतदान दिवस पर उनकी उपलब्धता एवं कार्यशीलता सुनिश्चित की जाए।

पंचायती राज चुनाव के दौरान मतदान दिवस पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में रहेगा सार्वजनिक अवकाश

मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश देना अनिवार्य, अवहेलना पर होगी कार्रवाई

संचार जगत

जयपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जयपुर जिले में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य तथा पंच-सरपंच पदों के निर्वाचन के लिए निर्धारित मतदान तिथियों पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम एवं समय-सारणी में संशोधन के अनुसार जयपुर जिले में चार चरणों में मतदान की तिथियां निर्धारित की गई हैं। प्रथम चरण में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए 22 अक्टूबर तथा पंच-सरपंच पदों के लिए 24 अक्टूबर को मतदान होगा। द्वितीय चरण में सदस्य पदों के लिए 28 अक्टूबर तथा पंच-सरपंच पदों के लिए 30 अक्टूबर को मतदान होगा। तृतीय चरण में सदस्य पदों के लिए 3 नवंबर तथा पंच-सरपंच पदों के लिए 5 नवंबर को मतदान होगा। इसी प्रकार चतुर्थ चरण में सदस्य पदों के लिए 14 नवंबर तथा पंच-सरपंच पदों के लिए 16 नवंबर को मतदान होगा। उन्होंने बताया कि मतदान दिवस पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित समस्त सरकारी एवं अर्द्धसरकारी कार्यालयों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। साथ ही परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 25 के अंतर्गत भी मतदान दिवस पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा, ताकि इन क्षेत्रों के मतदाता मतदान कर सकें। पुनर्मतदान की स्थिति में भी जिन मतदान क्षेत्रों में पुनर्मतदान होगा, वहां पुनर्मतदान की तिथि को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान दिवस पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत सभी कार्मिकों, जिनमें आकस्मिक कामगार भी सम्मिलित हैं, को सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जाएगा, ताकि वे अपने मताधिकार का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से उपयोग कर सकें। उन्होंने बताया कि ऐसे कार्मिक, जो संबंधित पंचायतीराज निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं, लेकिन अपने निर्वाचन क्षेत्र से अलग किसी अन्य स्थान पर कार्यरत हैं, उन्हें भी नियमानुसार मतदान तिथियों का सवैतनिक अवकाश देय होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि कोई नियोजक इन प्रावधानों की अवहेलना करते हुए मतदान के दिन कर्मचारी को मताधिकार का उपयोग करने हेतु अवकाश नहीं देता है, तो दण्डात्मक कार्रवाई के लिए संबंधित रिटर्निंग अधिकारी को तथ्यात्मक विवरण देते हुए अवगत कराया जा सकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं नियोजकों से आदेशों की पालना सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

मुख्य सचिव ने राजस्थान संपर्क पोर्टल के कॉल सेंटर का किया निरीक्षण

संचार जगत

जयपुर। आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान और परिवादों के निस्तारण में जवाबदेही सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने रविवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क पोर्टल के कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से परिवादकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सहकारिता, परिवहन, कृषि एवं राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन से संबंधित परिवादों की समीक्षा करते हुए उनके निस्तारण की स्थिति जानी। उन्होंने परिवादकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी ली।

कहा- कई जिलों में अकाल के गंभीर हालात, सरकार जल्द शुरू करे राहत कार्य

गहलोत का आरोप- निकाय चुनाव में पुलिस पर था दबाव, सीएमओ से रोज हो रही थी मॉनिटरिंग

संचार जगत



जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने निकाय चुनावों में पुलिस और प्रशासन के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस अधिकारी अब खुद स्वीकार कर रहे हैं कि उन पर भारी दबाव था। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से रोजाना मॉनिटरिंग हो रही थी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एसपी और कलेक्टरों को बुलाकर निर्देश दिए थे। रविवार को जयपुर स्थित अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा कि चुनाव में हार-जीत होती रहती है, लेकिन परिसीमन में कथित अनियमितताएं और पुलिस की कार्रवाई चिंताजनक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वार्डों के परिसीमन में पूरे प्रदेश में गड़बड़ी की गई है। उनके अनुसार, कुछ वार्डों में 85 मतदाता हैं, जबकि कुछ में 5 हजार से लेकर 20 हजार तक मतदाता हैं।

पंचायत चुनाव में मजबूती से उतरेगी कांग्रेस

गहलोत ने कहा कि आगामी पंचायत चुनावों के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संभाग, जिला और विधानसभा स्तर पर कमेटियां गठित कर पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। कांग्रेस पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत चुनावों के परिसीमन में भी अनियमितताएं हुई हैं और बाड़ेबंदी की छूट दी गई है। उन्होंने भाजपा पर धनबल के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता इसका जवाब देगी।

कई जिलों में अकाल के हालात चिंताजनक

पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सूखे और अकाल की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर और जोधपुर सहित कई क्षेत्रों में हालात गंभीर हैं। उन्होंने दावा किया कि जैसलमेर में हजारों गायों की मौत हो चुकी है और चारे की कीमत 20 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में पानी का संकट गहराता जा रहा है और बांधों में जलस्तर कम होने से सिंचाई तथा पेयजल की समस्या बढ़ सकती है। उन्होंने सरकार से जल्द गिरदावरी पूरी कराकर अकाल राहत कार्य शुरू करने की मांग की।

केंद्र से मदद लेने की सलाह

गहलोत ने कहा कि सरकार को संकट की गंभीरता समझते हुए तत्काल कदम उठाने चाहिए। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार के दौरान शुरू की गई 'काम के बदले अनाज' योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार से मदद लेकर अकाल का प्रभावी प्रबंधन किया जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री से स्थिति की नियमित निगरानी करने और प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाने की अपील की।

अजमेर उत्तर में विकास कार्यों को मिल रही गति

वार्ड 80 में 53.45 लाख रुपये की लागत से बनेगी सड़क

संचार जगत



जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने अजमेर जिले के वार्ड संख्या 80 में रातीडांग सरकारी स्कूल से शिव मंदिर होते हुए नंदा जी के मकान तक 53.45 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण कार्य का रविवार को शुभारम्भ किया। इस सड़क का निर्माण सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा करवाया जाएगा। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने कहा कि क्षेत्रवासियों की लंबे समय से अपेक्षित आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास, नागरिक सुविधाओं और जनजीवन को सुगम बनाने का आधार भी हैं। इस सड़क के निर्माण से स्थानीय निवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के आधारभूत ढांचे को मजबूती प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में क्षेत्र की आवश्यकताओं को समझना और उनका समयबद्ध समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप सड़क, पेयजल, विद्युत, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित सभी प्रमुख क्षेत्रों में विकास कार्य प्राथमिकता से करवाए जा रहे हैं। क्षेत्र की आवश्यकताओं को चिह्नित कर उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

श्री देवनानी ने कहा कि अजमेर के विकास को गति देने के लिए पिछले ढाई वर्षों में सैकड़ों करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सड़क निर्माण एवं विकास कार्य किए गए हैं। पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रगतिरत हैं। चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक का निर्माण किया जा रहा है। वहीं, विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जयपुर रोड पर नए जीएसएस का निर्माण भी करवाया जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि अजमेर शहर को सुंदर, स्वच्छ एवं बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए भी विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। अशोक उद्यान से अम्बेडकर चौराहे तक सौंदर्यीकरण के कार्य करवाए जा रहे हैं, जिससे शहर में आने वाले आगंतुकों को बेहतर वातावरण एवं सुखद अनुभव मिल सकेगा। अजमेर में लेपर्ड सफारी, साइंस पार्क सहित विभिन्न पर्यटन विकास परियोजनाओं पर कार्य जारी है।

फ्रेंच सीख रहे पुलिस जवानों ने फ्रांसीसी संगीत कार्यक्रम में लिया हिस्सा

संचार जगत

जयपुर। राजस्थान पुलिस की टूरिस्ट असिस्टेंस फोर्स (टीएएफ) के नौ जवानों ने रविवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित फ्रांसीसी संगीत कार्यक्रम 'ले वोयाज दे रेज़े' में हिस्सा लिया। फ्रांस-भारत नवाचार वर्ष 2026 के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में जवानों ने फ्रांसीसी कलाकारों से संवाद किया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का अनुभव लिया। अलायंस फ्रांसेज़ जयपुर टीएएफ के 22 पुलिसकर्मियों को फ्रेंच भाषा का प्रशिक्षण दे रहा है। इस पहल का उद्देश्य राजस्थान आने वाले फ्रांसीसी और फ्रेंच भाषी पर्यटकों की बेहतर सहायता करना है। 'फ्रांस लाइव' श्रृंखला के तहत आयोजित करीब 70 मिनट के कार्यक्रम में चार कलाकारों ने संगीत, कविता, लाइव चित्रकला और दृश्य माध्यमों का समन्वय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आयोजन भारत में फ्रांस के दूतावास, फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया और अलायंस फ्रांसेज़ डी जयपुर ने किया।

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र में 22 एवं 23 अक्टूबर को आयोजित होगा 'दीपावली उत्सव'

संचार जगत



जयपुर। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, जयपुर द्वारा दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर दिनांक '22 एवं 23 अक्टूबर 2026' को हस्तशिल्प एवं हथकरघा एवं उत्पादों की प्रदर्शनी 'दीपावली उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी का आयोजन उक्त दिनांक को प्रात: 10.00 बजे से सायं 7.30 बजे तक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, 22 गोदाम इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर में किया जाएगा। महाप्रबंधक, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, जयपुर (शहर), डॉ. अनुकृति सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य जयपुर के हस्तशिल्पियों, बुनकरों द्वारा निर्मित उत्कृष्ट उत्पादों को बाजार उपलब्ध करवाना, उनकी कला एवं कौशल को प्रोत्साहित करना तथा स्वदेशी उत्पादों के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना है। उत्सव के माध्यम से 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में जयपुर के हस्तशिल्पियों एवं बुनकरों द्वारा निर्मित विभिन्न आकर्षक एवं पारंपरिक उत्पादों जैसे बगरू/सांगानेर ब्लॉक प्रिंट साड़ियां/सूट, बंधेज, ब्लू पॉटरी उत्पाद, कुंदन-मीना कारी की ज्वेलरी, लकड़ी के हैंडीक्राफ्ट उत्पाद, तारकशी, पेंटिंग, मिट्टी के बर्तन, अन्य पारंपरिक घरेलू सजावट व पूजा सामग्री इत्यादि उत्पाद की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। यह आयोजन हस्तशिल्पियों एवं बुनकरों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ आमजन को भारतीय हस्तकला एवं पारंपरिक उत्पादों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। महाप्रबंधक डॉ. अनुकृति सिंह ने आमजन से अपील की गई है कि वे अपने परिवारजन सहित इस दीपावली उत्सव में अधिकाधिक संख्या में भाग लें तथा स्थानीय हस्तशिल्पियों एवं बुनकरों द्वारा निर्मित उत्पादों के विपणन को प्रोत्साहित कर भारतीय कला, संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षित रखने में अपना योगदान दें।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में भारत टैक्सी की समीक्षा बैठक आयोजित

संचार जगत



जयपुर। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में रविवार को नेहरू सहकार भवन में भारत टैक्सी के संचालन, सेवाओं की गुणवत्ता एवं राइड संख्या में वृद्धि के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने राज्य में भारत टैक्सी की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए इसके संचालन को अधिक प्रभावी, प्रतिस्पर्धी एवं जनोपयोगी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने भारत टैक्सी के अधिकारियों को आगामी 2 माह में 5,000 राइड प्रतिदिन तक बढ़ाने के लक्ष्य के अनुरूप इसके लिए समर्पित टीम गठित करने, प्रभावी प्रोत्साहन (इंसेंटिव) मॉडल विकसित करने तथा आगामी 15 दिवस में व्यापक मार्केटिंग एवं कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। श्री श्रीनिवास ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर भारत टैक्सी का प्रचार-प्रसार करने, स्टैंडी स्थापित करने, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के माध्यम से प्रचार गतिविधियां संचालित करने तथा जयपुर नगर निगम के सहयोग से मार्केटिंग को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस, परिवहन,नगर निगम, डेयरी आदि विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक सहयोग प्राप्त करने पर भी जोर दिया। मुख्य सचिव ने स्वयं अपने मोबाइल फोन पर भारत टैक्सी ऐप का अवलोकन किया तथा इसकी कार्य प्रणाली एवं उपयोगकर्ता अनुभव में सुधार करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री का बांसवाड़ा दौरा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किए मां त्रिपुरा सुंदरी के दर्शन

संचार जगत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बांसवाड़ा के उमराई स्थित मां त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की।

आमजन से अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराने का किया आह्वान

वन राज्यमंत्री एवं अलवर नगर निगम महापौर ने किया 7 फरवरी 2027 को आयोजित होने वाली अलवर टाइगर मैराथन की आधिकारिक वेबसाइट का लोकार्पण

संचार जगत



जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा एवं अलवर नगर निगम महापौर श्रीमती सुमनलता अग्रवाल ने रविवार को 7 फरवरी को 2027 को आयोजित होने वाली अलवर टाइगर मैराथन की आधिकारिक वेबसाइट का लोकार्पण किया। इस दौरान नगर परिषद भिवाडी की सभापति श्रीमती गुंजन खटाना ने अलवर टाइगर मैराथन का वीडियो लॉन्च किया। श्री संजय शर्मा ने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव के नेतृत्व में अलवर के चहुंमुखी विकास को निरन्तर गति प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि अलवर संसदीय क्षेत्र के बालक-बालिकाओं को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिले एवं उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास को मजबूती मिल सके उद्देश्य से जिले के चहुंमुखी विकास के साथ-साथ 100 से अधिक ई-लाइब्रेरियों की स्थापना कर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के दूर-दराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को सौगात दी है। साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के युवाओं को बेहतर खेल मंच मिलने के साथ उनको अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करने हेतु अलवर सांसद खेल उत्सव शुरू किया है। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अलवर टाइगर मैराथन 22 हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया, जिससे अलवर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सकी। उन्होंने कहा कि 7 फरवरी 2027 को अलवर टाइगर मैराथन का आयोजन होगा इसके लिए लिए आज टाइगर मैराथन की आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च की गई, जिसमें अधिक से अधिक युवा भाग लेकर इसे सफल बनाने में सहयोग करें। उन्होंने अलवर टाइगर मैराथन के अवसर पर राजस्थान वन विभाग की ओर से 6 फरवरी 2027 को अलवर बर्ड फेस्टिवल का आयोजन करने की घोषणा करते हुए कहा कि वन विभाग द्वारा जयपुर टाइगर फेस्टिवल की तर्ज पर 6 से 8 फरवरी तक अलवर टाइगर फेस्टिवल मनाया जाएगा तथा 6 व 7 फरवरी को वन मेले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने शहर के प्रबुद्ध व्यक्तियों एवं आमजन से शहर को स्वच्छ व सुन्दर बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। नगर निगम महापौर श्रीमती सुमनलता अग्रवाल ने कहा कि खेलों के माध्यम से ही शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के मजबूती मिल सकती है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री की प्रेरणा से आयोजित अलवर टाइगर मैराथन खिलाडियों को उनकी प्रतिभा दिखाने का जरिया बना है। उन्होंने अलवर शहर के लिए अलवर टाइगर मैराथन का प्लेटफार्म देने के लिए केंद्रीय वन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव का आभार जताते हुए कहा कि विगत वर्ष आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अलवर टाइगर मैराथन की बदौलत ही अलवर विश्व पटल पर उभर कर आया, अब हम सबकी जिम्मेदारी की शहर की स्वच्छता को और अधिक सुदृढ कर स्वच्छता में भी अलवर को शीर्ष पर लेकर जाएं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक : अवन्तिका राठौड़ के लिए। 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : J-17, रमेश मार्ग,सी-स्कीम,जयपुर ।
मोबाइल : 7568011229 । ई-मेल : editorialsancharjagat.com । RNI No. : RAJHIN/2014/55262 । समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर महानगर होगा।